hindustantimes.com
@hindustantimes @httweets @hindustantimes @hindustantimes

LUCKNOW/METRO
Saturday, November 14, 2026

Hindustan Times
FIRST VOICE. LAST WORD.

ERA UNIVERSITY DEVELOPS AFFORDABLE TEST TO DETECT HIDDEN HEART RISKS

LUCKNOW : Era University has developed an affordable testing device to detect asymmetric dimethylarginine (ADMA), a protein molecule linked to cardiovascular risk, using just two drops of blood. Researchers claim that high ADMA levels may indicate the risk of a heart attack 10–12 years in advance, according to a press release shared with the media on Friday.

The research was presented at the 5th International Conference on Personalized Medicine (ISPMCon-2026), organised at Era University on Friday under the aegis of the Indian Society of Personalized Medicine.

Vice-chancellor prof Farzana Mahdi said conventional heart-risk assessments mainly rely on cholesterol and lipid profile tests, which may not identify everyone at risk. She said the university had developed a method to detect ADMA, a marker that is not routinely checked through conventional screening.

The research has been patented. The university has also partnered with Chennai-based Gene Aura Private Limited, led by Dr Janani Dakshinamurthy, to develop an affordable prototype test kit for wider public use. ADMA screening has already started at Era University.

Prof Abbas Ali Mahdi said the initiative was part of the wider approach to personalised medicine, as the same medicine may produce different responses in different patients.

Dr Shiraz Rizvi also spoke about the potential of the new testing technology. HTC



Conference underway. HT



SUNDAY TIMES OF INDIA

Bennett, Coleman & Co. Ltd

CELEBRATING CHHATH PUJA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

NOVEMBER 15, 2026 | CAPITAL | PAGES 26 | INCLUDING LUCKNOW TIMES (CITY ONLY)

Estd.1838 | VOL. 36 NO. 44 | LUCKNOW

PRICE 5.00

Nvidia's ex-CEO Jensen Huang had misled several of the company's top managers about the nature of his ties with Alice Huang

Rapid test to identify infections within a day

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A new infection genomics system that can identify bacteria, viruses, fungi and antibiotic resistance within 24 hours, significantly faster than conventional methods, was showcased at a medical conference here on Saturday. Doctors said the technology could enable clinicians to begin targeted treatment much earlier, potentially improving outcomes in serious infections.

Experts from Era University said the system can perform nearly 33,000 types of tests, compared with conventional culture-based diagnostics that may take three to four days to deliver results. They added that the technology could be particularly useful in managing sepsis.

The university announced dedicated laboratories for zebrafish functional genomics and nanobiotechnology. Research will focus on understanding genetic diseases, developing targeted drug-delivery systems and designing robotic platforms to transport medicines and supplies within operation theatres and intensive care units.

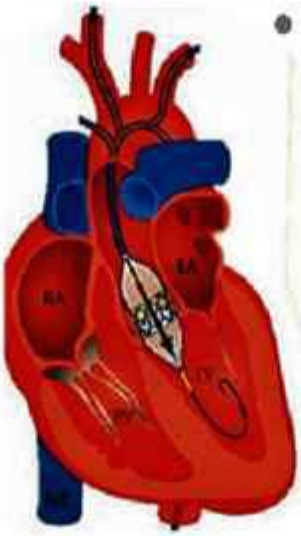
Vice-chancellor Prof Abbas Ali Mahdi said the university would introduce a four-seat radiation oncology course this year.

दैनिक जागरण
लखनऊ, शनिवार
14 नवंबर, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 24+4=28

12 वर्ष पूर्व मिल जाएगा हार्ट अटैक का अलर्ट

लखनऊ : हार्ट अटैक कोई अचानक नहीं आता, बल्कि शरीर में एक छिपा हुआ प्रोटीन मालिक्यूल सीरम 'एडमा' हार्ट अटैक आने से 10-12 साल पहले ही बढ़ना शुरू हो जाता है। अब एरा यूनिवर्सिटी ने वह मशीन बना ली है, जो सिर्फ दो बूंद खून से 'एडमा' की जांच कर सकेगी। इस शोध को पेटेंट भी करा लिया गया है। इस मशीन से हिडन रिस्क मार्कर्स की पहचान हो सकेगी। इस शोध को मरीज तक पहुंचाने के लिए चेन्नई की एक कंपनी के साथ का सहयोग लिया जा रहा है।

शुक्रवार को एरा यूनिवर्सिटी में इंडियन सोसाइटी आफ पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के तत्वावधान में पर्सनलाइज्ड मेडिसिन पर पांचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइएसपीएमकान-2026) का आयोजन किया गया। उपकुलपति प्रो. फरजाना महदी ने बताया कि अभी दिल का हाल जानने के लिए तक सिर्फ कोलेस्ट्राल और लिपिड की जांच होती थी, लेकिन 50 प्रतिशत ऐसे मरीज हैं, जिनका कोलेस्ट्राल बढ़ा ही नहीं, फिर भी उन्हें हार्ट अटैक हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने सोचा कि जरूर कोई हिडन चीज शरीर में है जिसका पता ही नहीं है। तब हमें यह मालिक्यूल मिला जो फैट व लिपिड नहीं है, बल्कि प्रोटीन का मालिक्यूल है। उसका नाम है सीरम एडमा। उन्होंने बताया कि इस मशीन के जरिये सिर्फ दो बूंद खून से ही मालिक्यूल का टेस्ट हो जाएगा।



- शरीर में छिपा है खतरनाक प्रोटीन, सिर्फ दो बूंद खून बताएगी कब आएगा संकट
- एरा यूनिवर्सिटी ने बनाई 'एडमा' टेस्ट मशीन, जल्द बाजार में होगी उपलब्ध

इस शोध को एरा यूनिवर्सिटी ने पेटेंट भी करा लिया है। उन्होंने कहा कि हम सब एक बम पर बैठे हुए हैं, कब वो फट जाएगा किसी को नहीं मालूम। अचानक लोगों की मौत हो रही हैं। अगर इस खास टेस्ट से लोगों को पहले से पता चल जाएगा तो वे समय पर इलाज और जीवनशैली में बदलाव करेंगे। कुछ दवाओं से भी सकारात्मक बदलाव होगा। चेन्नई की कंपनी के साथ मिलकर एरा की टीम ने अपनी रिसर्च पूरी कर ली हैं। वि.

अमर उजाला

लखनऊ
शनिवार, 14 नवंबर 2026
कार्तिक शुक्ल-पंचमी
विक्रम संवत-2083

राजधानी
वर्ष 19 | अंक 138 | पृष्ठ: 16+8=24
मूल्य: सात रुपये

amarujala.com

अंडर-19 एशिया कप रिकॉर्ड 9वां खिताब जीतना चाहेगा भारत, फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ंत आज...स्पोर्ट्स उत्तर प्रदेश

नए टेस्ट से हार्ट अटैक का खतरा 10 साल पहले बताने का दावा

माई सिटी रिपोर्टर

एरा यूनिवर्सिटी ने विकसित की सीरम एडमा की जांच तकनीक

शोध को मिला पेटेंट, प्रोटोटाइप मशीन तैयार करने पर काम

लखनऊ। एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अब्बास अली महदी ने दावा किया है कि हार्ट अटैक का खतरा 10 से 12 साल पहले पहचानने के लिए एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी ने नई जांच तकनीक विकसित की है। इसमें खून की महज दो बूंदों से शरीर में मौजूद सीरम एडमा नामक प्रोटीन मॉलिक्यूल के स्तर की जांच की जा सकेगी।

दावा है कि यह मॉलिक्यूल हार्ट अटैक के खतरे का शुरुआती संकेत दे सकता है। इस शोध को पेटेंट भी मिल चुका है। अब जांच के लिए सस्ती किट और मशीन का प्रोटोटाइप विकसित किया जा रहा है। डॉ. अब्बास अली महदी ने शुक्रवार को पर्सनलाइज्ड मेडिसिन पर आयोजित पांचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसपीएमकॉन-2026) में इस शोध और पेटेंट मिलने की जानकारी दी। इंडियन सोसाइटी ऑफ पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने बीमारी की शुरुआती पहचान और व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना के आधार पर इलाज पर चर्चा की।

डॉ. महदी ने बताया कि कई ऐसे लोग भी अचानक हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं, जिनकी लिपिड प्रोफाइल और खून की दूसरी सामान्य जांच ठीक होती है। ऐसे में केवल कोलेस्ट्रॉल की जांच से हृदय रोग का खतरा पता लगाना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आनुवंशिक जोखिम और दूसरे छिपे संकेतों की पहचान भी जरूरी है। इसी दिशा में संस्थान ने सीरम एडमा की जांच विकसित की है।

विश्वविद्यालय की उपकुलपति डॉ. फरजाना महदी ने बताया कि अभी दिल का हाल जानने के लिए सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और लिपिड की जांच होती थी, लेकिन 50 फीसदी ऐसे मरीज हैं जिनका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा ही नहीं, फिर भी उन्हें हार्ट अटैक हो रहा है। तब जांच में हमें सीरम एडमा नाम का मॉलिक्यूल मिला। यह फैट व लिपिड नहीं है, बल्कि प्रोटीन का मॉलिक्यूल है। इसके स्तर में बदलाव से हृदय रोग के खतरे का शुरुआती संकेत मिल सकता है। समय रहते इसकी पहचान होने पर खानपान और जीवनशैली में बदलाव के साथ जरूरी इलाज और निगरानी शुरू की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि शोध को व्यावहारिक रूप से मरीजों तक पहुंचाने के लिए चेन्नई की जीन ऑरा प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया गया है। कंपनी की डॉ. जननी दक्षिणामूर्ति के सहयोग से जांच तकनीक को विकसित कर सस्ती टेस्ट किट और मशीन के रूप में उपलब्ध कराने की तैयारी है। फिलहाल एरा में इस विशेष जांच की स्क्रीनिंग शुरू की गई है। जिन लोगों में एडमा का स्तर बढ़ा हुआ मिलेगा, उनकी आगे ईसीजी और इको जांच कराकर हृदय संबंधी जोखिम का आकलन किया जाएगा।

डॉ. फरजाना ने बताया कि संस्थान हृदय रोग के अलावा डायबिटीज, ग्लूकोमा और कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए भी शोध कर रहा है।

इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, शनिवार, 14 नवम्बर 2026

जब तक आपका शरीर स्वस्थ और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आजायेगी तब आप क्या कर पाएंगे?
-चाणक्य

वर्ष 19 अंक 71 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 29.4°C (+0.1) न्यूनतम 16.4°C(+2.6) सेंसेक्स 81,592.45 (-318.55) निफ्टी 25,144.30 (-155.05) सोना 1,37,500 चांदी 1,96,000 मुद्रा - डालर 94.27 दिरहम 25.67 रियाल 25.13

उपलब्धि **एरा ने खोजा हार्ट अटैक का छिपा संकेत, दो बूंद खून से होगी पहचान**

12 साल पहले ही पता चल जाएगी दिल की बीमारी

◎ एरा यूनिवर्सिटी ने बनायी दुनिया की पहली सस्ती 'एडमा' टेस्ट मशीन, जल्द आएगी मार्केट में



लखनऊ (ब्यूरो)। आजकल अचानक होने वाली मौतों ने सबको डरा दिया है। लोग कहते हैं, वो तो बिल्कुल फिट था फिर अचानक हार्ट अटैक कैसे आ गया? इसका जवाब अब एरा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने ढूंढ लिया है। एरा में आयोजित 5वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में वैज्ञानिकों ने बताया कि हार्ट अटैक कोई अचानक नहीं आता। शरीर में एक छिपा हुआ प्रोटीन मॉलिक्यूल सीरम 'एडमा' हार्ट अटैक आने से 10-12 साल पहले ही बढ़ना शुरू हो जाता है। बस उसे देखने के लिए अभी तक कोई चश्मा नहीं था लेकिन अब वो चश्मा बन गया है। एरा यूनिवर्सिटी ने वो मशीन बना ली है जो सिर्फ दो बूंद खून से 'एडमा' की जांच कर सकेगी। इस शोध को पेटेंट भी करा लिया गया है। इस मशीन से हिडन रिस्क मार्कर्स की पहचान हो सकेगी। इस शोध को मरीज तक पहुंचाने के लिए इंडस्ट्री की जरूरत थी जिसके लिए चेन्नई से आयीं डॉ. जननी दक्षिणामूर्ति की कंपनी जीन ऑरा प्राइवेट लिमिटेड के साथ एरा यूनिवर्सिटी ने कोलैबोरेशन किया है।

शुक्रवार को एरा यूनिवर्सिटी में इंडियन सोसाइटी **शेष पेज 5 पर**

12 साल पहले ही पता चल....

ऑफ पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के तत्वावधान में पर्सनलाइज्ड मेडिसिन पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसपीएमकॉन-2026) का आयोजन किया गया। इस मौके पर यूनिवर्सिटी की उपकुलपति प्रो. फरजाना महदी ने बताया कि अभी दिल का हाल जानने के लिए अभी तक सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और लिपिड की जांच होती थी। लेकिन 50 फीसदी ऐसे मरीज हैं जिनका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा ही नहीं, फिर भी उन्हें हार्ट अटैक हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने सोचा कि जरूर कोई हिडन चीज शरीर में है जिसका पता ही नहीं है। तब हमें ये मॉलिक्यूल मिला जो फैट नहीं है, लिपिड नहीं है बल्कि प्रोटीन का मॉलिक्यूल है। उसका नाम है सीरम एडमा। इसका डायग्नोसिस हिंदुस्तान में क्या, दुनिया में कहीं नहीं होता था। उन्होंने बताया कि इसकी जांच के लिए अमेरिका और दूसरे देशों से महंगी किट मंगवानी पड़ती थी जो आम आदमी अफोर्ड नहीं कर सकता था। उन्होंने बताया कि इस मशीन के जरिये सिर्फ दो बूंद खून से ही मॉलीक्यूल का टेस्ट हो जाएगा। इस शोध को एरा यूनिवर्सिटी ने पेटेंट भी करा लिया है। उन्होंने कहा कि हम सब एक बम पर बैठे हुए हैं, कब वो फट जाएगा किसी को नहीं मालूम। अचानक लोगों की डेथ बहुत ज्यादा हो रही हैं। अगर इस स्पेशल टेस्ट से लोगों को पहले से पता चल जाएगा तो वो प्रॉपर इलाज शुरू करेंगे। लाइफस्टाइल में बदलाव लाएंगे। खाने-पीने में चेंज करेंगे तो बीमारी इतनी जल्दी आगे नहीं बढ़ेगी। कुछ दवाओं से वो चीज वहीं रुक जाएगी। उन्होंने बताया कि चेन्नई की कंपनी के साथ मिलकर एरा की टीम ने अपनी रिसर्च पूरी कर ली है। अब इसे मरीज तक पहुंचाने के लिए इंडस्ट्री की जरूरत थी। इसके लिए चेन्नई से आईं डॉ. जननी दक्षिणामूर्ति की कंपनी जीन ऑरा प्राइवेट लिमिटेड के साथ कोलैबोरेशन किया गया है। कंपनी अब इस सस्ती टेस्ट किट मशीन का प्रोटोटाइप डेवलप कर रही है ताकि ये जांच आम आदमी तक पहुंच सके। उन्होंने बताया कि सिर्फ दिल ही नहीं डायबिटीज, ग्लूकोमा और कैंसर की शुरुआती पहचान पर भी काम चल रहा है। फिलहाल एरा में इस स्पेशल टेस्ट की स्क्रीनिंग शुरू हो गई है। जिन लोगों का एडमा बढ़ा हुआ आएगा उनका आगे ईसीजी और इको करके समय रहते बचाव शुरू किया जाएगा। इस मौके पर एरा यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. डॉ. अब्बास अली महदी ने कहा कि एक मेडिसिन वो हर एक के लिए काम करेगी ये जरूरी नहीं है। किसी के अंदर वो अच्छा काम करेगी तो किसी के अंदर कुछ नहीं करेगी और किसी को साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं तो इसलिए इसको पर्सनलाइज्ड मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई जो और कहीं ऐसा विभाग नहीं है। इस मौके पर पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के डॉ. मोहम्मद अब्बास ने भी नयी एडमा टेस्ट मशीन के फायदे के बारे में बताया।